Rajasthan Tourism at ITB Berlin 2026 heritages, architecture, and sustainability tourism pitch (3–5 March 2026).

Rajasthan Tourism in ITB Berlin started with high visibility beginning in Berlin in one of the largest tourism trade fairs in the world. Union Tourism Minister Gajendra Singh Shekhawat and India's Ambassador to Germany Ajit Gupte jointly cut the ribbon to open Stand 200 of the Rajasthan Tourism Department, Hall 5.2, Stand 200, which was launched at the Expo 2010. **The Rajasthan Film Tourism Promotion Policy 2025** was also displayed at the Rajasthan Tourism pavilion during the launch. The pavilion was of cultural grandeur, architecturally valuable and innovation based presentation. The fair is held between 3-5 March and Rajasthan has arranged business meetings, video viewing and dialogue sessions to enhance their global tourism contact.

One of the highlights in the Rajasthan Pavilion is the following.

- Opening of Stand 200 of Rajasthan Tourism Department in Hall 5.2 by Union Tourism Minister and Indian Ambassador to Germany.
- The Rajasthan Film Tourism Promotion Policy 2025 should be displayed at the pavilion.
- Participation of Tourism Commissioner Rukmani Riar, Additional Director Pawan Kumar Jain and Joint Director dr. Punita Singh.

- Availability of the stakeholders in the tourism of Rajasthan: FHTR, Truly India Palace on Wheels, Alchemy Du Voyage Private Limited, and Interactive Tours to India Private Limited.
- Meet with the President of Rajasthan Foundation Germany Hargovind Singh Rana to negotiate the tourism promotion.
- Pavilion was on top of the list of attractions based on culture-focused design, architecture, and creativity in presentation.

Purposes and Foreseen Results.

Objectives

- Expand the foreign tourist destination in Rajasthan by promoting the various tourism destinations at the ITB Berlin.
- Establish partnership with international representatives, tour operators, and visitors by meeting with them.
- Showcase the heritage and hospitality traditions of present-day Rajasthan as well as the sustainable tourism strategy on an international scale.

Expected Outcomes

- Enhanced global awareness of Rajasthan as a tourism destination in various categories.
- More spread of the tourism in Rajasthan by sharing videos and designed interaction programs.
- More tourism networking to the stakeholders of Rajasthan in an international trade fair.

Background: The importance of ITB Berlin.

- ITB Berlin is an event that has been conducted since 1966 and is regarded as a major event in the world tourism industry.
- The 2026 edition is said to be the 60th edition and this is after 60 years of international event.
- The fair boasts of a well-organized structure, with geographical segments, and strategic areas of interest including adventure tourism, business travel, medical tourism and travel technology.

Conclusion

The ITB Berlin 2026 is also using a large international tourism market to showcase its cultural heritage, architectural diversity, and sustainable tourism vision. Having an official opening ceremony, policy presentation, and a full diary of meetings and media outreach between 3 to 5 March, Rajasthan is setting the stage to become more internationally engaged and destination brand-developed in the global tourism market.

RASonly

MCQS (RAS Prelims)

1. What is the right Explanation of the opening of the pavilion of Rajasthan at the ITB Berlin 2026?

(a) It was inaugurated in Hall 5.2, Stand 200, by Union Tourism Minister Gajendra Singh Shekhawat and India's Ambassador to Germany Ajit Gupte.
(b) It was inaugurated in Hall 2.5, Stand 500, by the Rajasthan Chief Secretary and the German Tourism Minister.
(c) It was inaugurated in Hall 5.2, Stand 200, by the Rajasthan Chief Minister and the Mayor of Berlin.
(d) It was inaugurated in Hall 1.1, Stand 200, by the Indian Consul in Munich and the Union Minister for Culture.

Answer: (a)

Explanation : the pavilion of the Rajasthan Tourism Department at the ITB Berlin was opened officially in hall 5.2 and Stand 200. Union Tourism Minister Gajendra Singh Shekhawat and the India ambassador to Germany Ajit Gupte jointly cut the ribbon and inaugurated Rajasthan at the tourism trade fair.

2. Which were the specific products displayed in the Rajasthan Tourism pavilion at the ITB Berlin 2026?

(a) Rajasthan Desert Safari Mission 2026.

(b) Rajasthan Film Tourism Promotion Policy 2025.

(c) Rajasthan Medical Tourism Vision 2030.

(d) Rajasthan Handicrafts Export Policy 2026.

Answer: (b)

Explanation: The Rajasthan Film Tourism Promotion Policy 2025 was presented at the inauguration events at the Rajasthan Tourism pavilion. This implies that there is a keen interest to develop film tourism as one of the wide annexes of the international tourism outreach by Rajasthan at the ITB Berlin event.

3. What set of focus areas does ITB Berlin 2026 (as mentioned in the update) entail?

(a) Nuclear tourism, space tourism, polar tourism and pilgrimage tourism.

(b)The companies in the sector include adventure tourism, business travel, medical tourism, and travel technology

(c) Railway tourism, river cruises, desert sports and border tourism.

RASonly

d) All Heritage-only tourism, handicrafts-only tourism, and culinary-only tourism.

Answer: (b)

Explanation : the event brings out the organized structure and thematic categorization of ITB Berlin. It particularly identifies significant segments like adventure tourism, business travel, medical tourism, and travel technology and geographic segments indicating the variety of products and services of global tourism that are offered at the fair.

आईटीबी बर्लिन 2026 में राजस्थान पर्यटन—विरासत, स्थापत्य और सतत पर्यटन का वैश्विक प्रस्तुतीकरण (3–5 मार्च 2026)

जर्मनी की राजधानी बर्लिन में विश्व के सबसे बड़े पर्यटन व्यापार मेलों में शामिल आईटीबी बर्लिन में राजस्थान पर्यटन की शुरुआत उच्च दृश्यता के साथ हुई। केंद्रीय पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत और जर्मनी में भारत के राजदूत अजीत गुप्ते ने संयुक्त रूप से फीता काटकर हॉल 5.2 में राजस्थान पर्यटन विभाग के स्टैंड 200 का उद्घाटन किया। उद्घाटन के दौरान राजस्थान पर्यटन मंडप में राजस्थान फिल्म पर्यटन प्रोत्साहन नीति 2025 भी प्रदर्शित की गई। मंडप अपनी सांस्कृतिक भव्यता, स्थापत्य सौंदर्य और नवाचार-आधारित प्रस्तुति के कारण आकर्षण का केंद्र रहा। यह मेला 3–5 मार्च के बीच आयोजित हो रहा है और राजस्थान ने व्यावसायिक बैठकों, पर्यटन वीडियो प्रदर्शन तथा संवाद सत्रों के माध्यम से वैश्विक पर्यटन संपर्क बढ़ाने की योजना बनाई है।

राजस्थान मंडप की प्रमुख झलकियाँ निम्न हैं।

- हॉल 5.2 में राजस्थान पर्यटन विभाग के स्टैंड 200 का उद्घाटन केंद्रीय पर्यटन मंत्री और जर्मनी में भारत के राजदूत द्वारा।
- मंडप में राजस्थान फिल्म पर्यटन प्रोत्साहन नीति 2025 का प्रदर्शन।
- पर्यटन आयुक्त रुक्मणी रियार, अतिरिक्त निदेशक पवन कुमार जैन तथा संयुक्त निदेशक डॉ. पुनीता सिंह की सहभागिता।
- राजस्थान के पर्यटन हितधारकों की उपस्थिति: एफएचटीआर, ट्रूली इंडिया पैलेस ऑन व्हील्स, अल्केमी टू वोयाज प्राइवेट लिमिटेड तथा इंटरएक्टिव टूर्स टू इंडिया प्राइवेट लिमिटेड।
- राजस्थान फाउंडेशन जर्मनी के अध्यक्ष हरगोविंद सिंह राणा के साथ पर्यटन संवर्धन पर चर्चा।
- संस्कृति-केंद्रित डिज़ाइन, स्थापत्य और रचनात्मक प्रस्तुति के आधार पर मंडप का प्रमुख आकर्षण के रूप में उभरना।

RASonly

उद्देश्य और संभावित परिणाम

उद्देश्य

- आईटीबी बर्लिन में विविध पर्यटन आकर्षणों के प्रचार के माध्यम से राजस्थान में विदेशी पर्यटकों की संख्या बढ़ाना।
- अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों, टूर संचालकों और आगंतुकों के साथ बैठकों के जरिए साझेदारी विकसित करना।
- राजस्थान की विरासत, अतिथि सत्कार परंपरा तथा सतत पर्यटन रणनीति को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रस्तुत करना।

संभावित परिणाम

- विभिन्न श्रेणियों में पर्यटन गंतव्य के रूप में राजस्थान की वैश्विक पहचान में वृद्धि।
- पर्यटन वीडियो और नियोजित संवाद कार्यक्रमों के माध्यम से राजस्थान पर्यटन का व्यापक प्रसार।
- अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में राजस्थान के हितधारकों के लिए अधिक नेटवर्किंग अवसर।

पृष्ठभूमि: आईटीबी बर्लिन का महत्व

- आईटीबी बर्लिन 1966 से आयोजित हो रहा है और इसे विश्व पर्यटन उद्योग का प्रमुख मंच माना जाता है।
- 2026 संस्करण को इसका साठवाँ संस्करण बताया गया है, जो छह दशकों की अंतरराष्ट्रीय यात्रा को रेखांकित करता है।
- यह मेला सुव्यवस्थित संरचना के लिए प्रसिद्ध है, जिसमें भौगोलिक विभाजन के साथ-साथ साहसिक पर्यटन, व्यावसायिक यात्रा, चिकित्सकीय पर्यटन तथा यात्रा प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्र शामिल हैं।

निष्कर्ष

आईटीबी बर्लिन 2026 के माध्यम से राजस्थान एक बड़े अंतरराष्ट्रीय पर्यटन मंच पर अपनी सांस्कृतिक विरासत, स्थापत्य विविधता और सतत पर्यटन दृष्टि को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत कर रहा है। आधिकारिक उद्घाटन, नीति प्रदर्शन और 3 से 5 मार्च के बीच बैठकों व मीडिया-आउटरीच की योजनाओं के साथ राजस्थान वैश्विक पर्यटन बाजार में अधिक अंतरराष्ट्रीय सहभागिता और सुदृढ़ गंतव्य ब्रांडिंग की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

बहुविकल्पीय प्रश्न (आरएएस प्रारंभिक परीक्षा)

- आईटीबी बर्लिन 2026 में राजस्थान के मंडप के उद्घाटन का सही विवरण क्या है?
  (a) हॉल 5.2, स्टैंड 200 का उद्घाटन गजेंद्र सिंह शेखावत और अजीत गुप्ते ने किया।
  (b) हॉल 2.5, स्टैंड 500 का उद्घाटन राजस्थान के मुख्य सचिव और जर्मनी के पर्यटन मंत्री ने किया।

RASonly

(c) हॉल 5.2, स्टैंड 200 का उद्घाटन राजस्थान के मुख्यमंत्री और बर्लिन के मेयर ने किया।
(d) हॉल 1.1, स्टैंड 200 का उद्घाटन म्यूनिख स्थित भारतीय कौंसुल और केंद्रीय संस्कृति मंत्री ने किया।
उत्तर: (a)
व्याख्या: राजस्थान पर्यटन विभाग का मंडप हॉल 5.2 में स्टैंड 200 पर आधिकारिक रूप से खोला गया। केंद्रीय पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत और जर्मनी में भारत के राजदूत अजीत गुप्ते ने संयुक्त रूप से फीता काटकर उद्घाटन किया, जिससे मेले में राजस्थान की औपचारिक शुरुआत हुई।

- आईटीबी बर्लिन 2026 में राजस्थान पर्यटन मंडप में विशेष रूप से क्या प्रदर्शित किया गया?
(a) राजस्थान मरु-सफारी मिशन 2026
(b) राजस्थान फिल्म पर्यटन प्रोत्साहन नीति 2025
(c) राजस्थान चिकित्सकीय पर्यटन दृष्टि 2030
(d) राजस्थान हस्तशिल्प निर्यात नीति 2026
उत्तर: (b)
व्याख्या: राजस्थान पर्यटन मंडप के उद्घाटन कार्यक्रमों के दौरान राजस्थान फिल्म पर्यटन प्रोत्साहन नीति 2025 प्रस्तुत की गई। इससे संकेत मिलता है कि राजस्थान ने आईटीबी बर्लिन जैसे वैश्विक मंच पर अपने अंतरराष्ट्रीय पर्यटन संपर्क के व्यापक प्रयासों के अंतर्गत फिल्म पर्यटन को एक महत्वपूर्ण घटक के रूप में आगे बढ़ाने पर ध्यान दिया।

- अद्यतन के अनुसार आईटीबी बर्लिन 2026 में कौन-से प्रमुख क्षेत्र शामिल हैं?
(a) परमाणु पर्यटन, अंतरिक्ष पर्यटन, ध्रुवीय पर्यटन और तीर्थ पर्यटन
(b) साहसिक पर्यटन, व्यावसायिक यात्रा, चिकित्सकीय पर्यटन और यात्रा प्रौद्योगिकी
(c) रेल पर्यटन, नदी क्रूज़, मरु-खेल और सीमा पर्यटन
(d) केवल विरासत पर्यटन, केवल हस्तशिल्प पर्यटन और केवल पाक-पर्यटन
उत्तर: (b)
तर्क: आयोजन के विवरण में आईटीबी बर्लिन की सुव्यवस्थित संरचना और विषयगत श्रेणियों पर जोर दिया गया है। इसमें विशेष रूप से साहसिक पर्यटन, व्यावसायिक यात्रा, चिकित्सकीय पर्यटन और यात्रा प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों तथा भौगोलिक विभाजनों का उल्लेख है, जो मेले में प्रस्तुत वैश्विक पर्यटन उत्पादों और सेवाओं की व्यापकता को दर्शाता है।

RASonly

55th National Safety Day (State level Ceremony) - construction of an industrial safety culture based on standards, training, and technology.

The 55th state-level ceremony celebrated National Safety Day in the Rajasthan State Institute of Public Administration (HCM-RIPA), Jaipur on 4 March. The Deputy Chief Minister Dr Premchand Bairwa asserted that the need to assume a safety culture in industries is time bound and emphasized that safe working environment is the cornerstone of industrial progress. He connected the safety at the workplace to the realization of the Viksit Bharat vision- 2047 and he claimed that state government led by Chief Minister Bhajanlal Sharma is constantly enhancing the safety levels and providing the workers with safer working conditions. He encouraged industries to implement the current technologies in the form of AI, sensor surveillance, and real-time monitoring to detect risks at their initial phases and minimize accidents.

Key Highlights

- The 55 th National Safety Day was celebrated in Jaipur, HCM-RIPA.
- Deputy CM Dr Premchand Bairwa highlighted how safety culture is crucial in industrial development and safety of workers.
- It was urged that industries should move towards the use of AI, sensors and real-time monitoring so that potential dangers can be identified early enough.
- During the programme, a safety-consciousness booklet was e-released.

RASO

Stress on Industrial Safety Measures.

- Adherence to the safety regulations in the industrial units.
- Prompt evaluation of possible risks prior to them transforming to incidents.
- Workers and employees should have routine safety training to enhance safe work behaviour.
- AI-based prevention, sensor-based surveillance, and real-time management through technology.

Objectives and Benefits

Objectives

- Educate individuals in the industries and institutions on safety.
- Strengthen safe work culture and enhance compliance to standards of safety.
- Stimulate the early detection of hazards by the use of modern methods of monitoring.

Benefits

- safer working conditions and increased protection of workers.
- Lower occurrence of accidents by early threatening detection and preventive measures.
- An increased productivity in industries and a greater contribution to the development of the economy due to the safer operations.

Factory Safety Awards scheme in 2026.

- Under the Factory Safety Awards Scheme 2026, 15 industrial units have been recognized as doing excellent work in the industrial safety.
- The awards were divided into big, medium, and small.
- The programme has pointed out that the industries that are more safety-oriented promote the safety of workers and industrial growth.

Key Organisers

- It was an occasion arranged under the joint auspices of the Factories and Boilers Inspection Department and the National Safety Council- Rajasthan State Chapter.

Present important officer :

- Chief Inspector (Factories and Boilers), Harish Kumar Gupta, Deputy Chief Inspector and vice president, (National Safety Council), Chapter, Rajasthan, and officers, experts, representatives, and members of different units and institutions of industries.

RASonly

Conclusion

The state level ceremony to encourage 55 th National Safety Day held at Rajasthan reaffirmed the message that industrial safety is not a luxury but the focus of sustainable industrial growth. With its combination of strict adherence, regular training, and technology-oriented monitoring, including AI and sensors, the state will minimize accidents and enforce safe working environments. The fact that 15 units were placed in the Factory Safety Awards Scheme 2026 was also an indication of the drive towards increased safety levels in industries.

MCQS (RAS Prelims)

1. In which state was the 55 th state level state safety day ceremony in Rajasthan held?

(a) Jaipur, Rajasthan International Centre.

(b) Jaipur, Rajasthan State Institute of Public Administration (HCM-RIPA).

(c) A Rajasthan Legislative Assembly, Jaipur.

(d) Jaipur Exhibition and Convention Centre.

Answer: (b)

Explanation : The 55 th National Safety Day state-level ceremony was held in Jaipur at HCM-RIPA.

2. What were the recommended technologies that were specifically suggested to enhance the workplace safety within industries?

(a) Blockchain, satellites imaging, and drones.

(b) real-time monitoring, sensor-based monitoring and AI.

(c) Cloud storage/ only automation of robots.

(d) Biometric attendance and e-ticket.

Answer: (b)

Explanation : The speech has mentioned AI, sensor-based surveillance, and real-time monitoring as the means of detecting potential hazards at an early stage and minimizing accidents.

3. With the Factory Safety Awards Scheme 2026, how many units in total were awarded industrial?

(a) 10

RASonly

(b) 12

(c) 15

(d) 20

Answer: (c)

Explanation : 15 of the industry units were given best work on industrial safety, in large, medium, and small categories.

55वाँ राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस (राज्य स्तरीय समारोह)—मानकों, प्रशिक्षण और प्रौद्योगिकी पर आधारित औद्योगिक सुरक्षा संस्कृति का निर्माण

55वाँ राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस राज्य स्तरीय समारोह 4 मार्च को राजस्थान राज्य लोक प्रशासन संस्थान (एचसीएम-रीपा), जयपुर में आयोजित किया गया। उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने कहा कि उद्योगों में सुरक्षा संस्कृति अपनाना समय की आवश्यकता है और सुरक्षित कार्यस्थल औद्योगिक प्रगति की आधारशिला हैं। उन्होंने कार्यस्थल सुरक्षा को "विकसित भारत–2047" के लक्ष्य से जोड़ते हुए कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार सुरक्षा मानकों को लगातार सुदृढ़ कर रही है और श्रमिकों के लिए सुरक्षित कार्य परिस्थितियाँ सुनिश्चित करने की दिशा में कार्य कर रही है। उन्होंने दुर्घटनाएँ कम करने हेतु कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सेंसर आधारित निगरानी और वास्तविक समय निगरानी जैसी तकनीकों को अपनाने का आग्रह किया।

प्रमुख बिंदु

- 55वाँ राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस राज्य स्तरीय समारोह जयपुर के एचसीएम-रीपा में आयोजित हुआ।
- उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने औद्योगिक विकास और श्रमिक सुरक्षा के लिए सुरक्षा संस्कृति को अत्यंत आवश्यक बताया।
- उद्योगों को कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सेंसर और वास्तविक समय निगरानी अपनाकर संभावित खतरों की समय रहते पहचान करने का आह्वान किया गया।
- कार्यक्रम में सुरक्षा जागरूकता आधारित पुस्तिका का ई-विमोचन किया गया।

औद्योगिक सुरक्षा उपायों पर जोर

- औद्योगिक इकाइयों में सुरक्षा नियमों का कठोर अनुपालन।
- संभावित जोखिमों का समय रहते आकलन, ताकि वे घटनाओं में न बदलें।
- श्रमिकों और कर्मचारियों को नियमित सुरक्षा प्रशिक्षण देकर सुरक्षित कार्य व्यवहार को मजबूत करना।

RASonly

- तकनीक आधारित रोकथाम: कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सेंसर आधारित निगरानी और वास्तविक समय प्रबंधन।

उद्देश्य और लाभ

उद्देश्य

- उद्योगों और संस्थानों में कार्यरत लोगों में सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना।
- सुरक्षित कार्य संस्कृति को मजबूत करना और सुरक्षा मानकों के पालन को बढ़ावा देना।
- आधुनिक निगरानी विधियों से खतरों की प्रारंभिक पहचान को प्रोत्साहित करना।

लाभ

- अधिक सुरक्षित कार्यस्थल और श्रमिकों के जीवन की बेहतर सुरक्षा।
- जोखिमों की समय रहते पहचान और रोकथाम से दुर्घटनाओं की संभावना में कमी।
- सुरक्षित संचालन के कारण औद्योगिक उत्पादकता में वृद्धि और आर्थिक विकास में बेहतर योगदान।

कारखाना सुरक्षा पुरस्कार योजना 2026

- कारखाना सुरक्षा पुरस्कार योजना 2026 के अंतर्गत औद्योगिक सुरक्षा में उत्कृष्ट कार्य करने वाली 15 औद्योगिक इकाइयों को सम्मानित किया गया।
- पुरस्कार वृहद, मध्यम और लघु श्रेणियों में प्रदान किए गए।
- कार्यक्रम में यह संदेश रेखांकित हुआ कि उच्च सुरक्षा मानक अपनाने वाले उद्योग श्रमिक सुरक्षा के साथ औद्योगिक विकास को भी गति देते हैं।

आयोजन और प्रमुख सहभागी

- यह समारोह कारखाना एवं बॉयलर्स निरीक्षण विभाग तथा राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद—राजस्थान स्टेट चैप्टर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित हुआ।
- प्रमुख अधिकारी: मुख्य निरीक्षक (कारखाना एवं बॉयलर्स) हरिश कुमार गुप्ता, उप मुख्य निरीक्षक एवं उपाध्यक्ष (राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद, राजस्थान चैप्टर) हरिशंकर, तथा विभिन्न औद्योगिक इकाइयों/संस्थानों के अधिकारी, विशेषज्ञ, प्रतिनिधि और सदस्य उपस्थित रहे।

निष्कर्ष

राजस्थान में 55वाँ राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस राज्य स्तरीय समारोह ने स्पष्ट किया कि औद्योगिक सुरक्षा कोई वैकल्पिक विषय नहीं, बल्कि सतत औद्योगिक विकास की अनिवार्य प्राथमिकता है। सुरक्षा नियमों के कठोर अनुपालन, नियमित प्रशिक्षण और कृत्रिम बुद्धिमत्ता व सेंसर जैसी तकनीक आधारित निगरानी के संयुक्त उपयोग से दुर्घटनाएँ घटाने और सुरक्षित कार्यस्थल मजबूत करने पर जोर दिया गया। 15 इकाइयों का सम्मान उद्योगों में उच्च सुरक्षा मानकों की दिशा में प्रेरक संकेत है।

RASonly

बहुविकल्पीय प्रश्न (आरएएस प्रारंभिक परीक्षा)

- राजस्थान में 55वाँ राज्य स्तरीय राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस समारोह कहाँ आयोजित हुआ?
  (a) राजस्थान अंतरराष्ट्रीय केंद्र, जयपुर
  (b) राजस्थान राज्य लोक प्रशासन संस्थान (एचसीएम-रीपा), जयपुर
  (c) राजस्थान विधान सभा, जयपुर
  (d) जयपुर प्रदर्शनी एवं सम्मेलन केंद्र
  उत्तर: (b)
  व्याख्या: 55वाँ राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस राज्य स्तरीय समारोह जयपुर में एचसीएम-रीपा में आयोजित किया गया।

- उद्योगों में कार्यस्थल सुरक्षा बढ़ाने के लिए कौन-सी तकनीकें अपनाने की सिफारिश की गई?
  (a) ब्लॉकचेन, उपग्रह चित्रण और ड्रोन
  (b) वास्तविक समय निगरानी, सेंसर आधारित निगरानी और कृत्रिम बुद्धिमत्ता
  (c) केवल क्लाउड भंडारण और केवल रोबोट स्वचालन
  (d) जैवमेट्रिक उपस्थिति और ई-टिकट
  उत्तर: (b)
  व्याख्या: भाषण में कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सेंसर आधारित निगरानी और वास्तविक समय निगरानी को संभावित खतरों की प्रारंभिक पहचान और दुर्घटनाओं में कमी के लिए उपयोगी बताया गया।

- कारखाना सुरक्षा पुरस्कार योजना 2026 के अंतर्गत कुल कितनी औद्योगिक इकाइयों को सम्मानित किया गया?
  (a) 10
  (b) 12
  (c) 15
  (d) 20
  उत्तर: (c)
  व्याख्या: औद्योगिक सुरक्षा में उत्कृष्ट कार्य के लिए वृहद, मध्यम और लघु श्रेणियों में चयनित कुल 15 औद्योगिक इकाइयों को कारखाना सुरक्षा पुरस्कार दिए गए।

RASonly

Purjan Vihar (Company Bagh) Palash Utsav in Holi -related public education on Palash conservation, local products, and cultural programming (2 March 2026).

The Panch Gaurav programme organised Palash Utsav at Purjan Vihar (Company Bagh), Jaipur on the occasion of Holi. The event was started by lighting the ceremonial lamp by Forest and Environment Minister of State (Independent Charge) Sanjay Sharma, who wished them a Happy Holi, and he emphasized the love and social unity that the festival offered. According to him, Panch Gaurav is an avenue that will encourage the best heritage assets in the district, and that the Forest Department was ready to make organic herbal gulal, which would favour local products. The programme was integrated into exhibits and a cultural evening to deliver the information on Palash conservation and awareness to people.

Key Features of the Event

- Purjan Vihar (Company Bagh) Inauguration of Minister of State Sanjay Sharma by lamp-lighting.
- Organic herbal gulal made by the Forest Department as a step in promoting local products.
- Photo display organized by the Tourism Department on the natural sights and wildlife of Sarika as an Alwar "Panch Gaurav" tourist destination.
- Forest Department exhibition on the importance of Palash, conservation and Palash-based products such as herbal gulal.

- Cultural evening with folk dances by Bhungar Khan Langa (Barmer), Moru Sapera (Jaipur) and local folk singers of Alwar which enhances the conservation message via culture.

Objectives and Benefits

Objectives

- Utilize a Palash-holi related publicity event to reinforce awareness of Palash conservation using exhibitions and cultural programmes.
- advertise the Panch Gaurav programme with the highlights of tourism and heritage such as the nature and wildlife in Sarika.
- Promote the value of local products with organic herbal gulal made by the Forest Department.

Benefits

- Broadened social action towards conserving trees in available cultural means.
- Cohesive communication between environment, tourism and local livelihoods with exhibitions and involvement of the population.
- Greater awareness of the nature and animal resources of Sarika by the use of the curated tourism outreach.

The organisers and key participants of the event are identified.

In the presence of DFO Rajendra Hudda, Deputy Director (Tourism) Tina Yadav, District President Ashok Gupta, Pandit Jale Singh, Ajay Sharma and massive attendance of the general public.

Conclusion

Integrated outreach model was manifested in Palash Utsav at Purjan Vihar, as a festival-related general audience meeting was promoted on the promotion of conservation awareness and cultural pride. The fusion of a Palash show, Sariska-centered photo exhibitions, promotion of organic herbal gulal and folk performances added a pragmatic touch to the event: conservation may be enhanced by community involvement, local goods, and cultural programs based on heritage.

MCQS (RAS prelims)

1. In which city was Palash Utsav held in Jaipur in the Panch Gaurav programme?

(a) Albert Hall Complex
(b) Purjan Vihar (Company Bagh)
(c) Ramniwas Bagh
(d) Jantar Mantar Complex

RASonly

Answer: (b)

Explanation : The show was conducted in Purjan Vihar (Company Bagh) in Jaipur during the Panch Gaurav programme on Holi festival. The venue is specifically construed as the location of the event, and this makes it the right decision out of Jaipur landmarks in the options.

2. What programme was associated with the event as an area of promoting local products said at the programme?

(a) Tourism Department handicraft export exhibition.

(b) Forest Department herbal gulal organic.

(c) Opening of a new wild life safari route in Sariska.

(d) It is proposed that a new hotel policy in Alwar is announced.

Answer: (b)

Explanation: The incident brought to focus the fact that the Forest Department made organic herbal gulal and served the same as an avenue to advertise the local products. This is the most direct and accurate the other steps in the programme that promoted the local products were not described.

3. What was the specific exhibition of the Tourism Department that was held in Palash Utsav?

(a) Urban heritage in Jaipur in the form of forts and palaces.

(b) The Sariska natural sites and wildlife as an Alwar Panch Gaurav tourist destination.

(c) Desert tourism circuits of Barmer and Jaisalmer.

(d) Conservation sites of wetlands in Rajasthan.

Answer: (b)

Explanation : The Deputy Director of the Tourism Department stressed that a beautiful photo show was on the natural sites and wildlife in Sarika and that Sarika was branded an Alwar Panch Gaurav tourist destination. The other alternatives are those themes that are not mentioned to be included in the exhibition.

RASonly

पुरजन विहार (कम्पनी बाग) में होली के अवसर पर पलाश उत्सव—पलाश संरक्षण, स्थानीय उत्पादों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से जन-जागरूकता (2 मार्च 2026)

पंच गौरव कार्यक्रम के अंतर्गत होली के उपलक्ष्य में 2 मार्च 2026 को जयपुर के पुरजन विहार (कम्पनी बाग) में पलाश उत्सव आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा ने दीप प्रज्ज्वलन कर किया। उन्होंने होली की शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि यह पर्व प्रेम और सामाजिक एकता का प्रतीक है। उन्होंने बताया कि पंच गौरव कार्यक्रम जिले की प्रमुख विरासत-सम्पदाओं को बढ़ावा देने का मंच है। साथ ही वन विभाग द्वारा तैयार की गई आर्गेनिक हर्बल गुलाल को स्थानीय उत्पादों के प्रोत्साहन से जोड़ा गया। प्रदर्शनी और सांस्कृतिक संध्या के माध्यम से पलाश संरक्षण व जागरूकता का संदेश जनसमुदाय तक पहुँचाया गया।

कार्यक्रम की प्रमुख विशेषताएँ

- पुरजन विहार (कम्पनी बाग) में दीप प्रज्ज्वलन द्वारा राज्यमंत्री संजय शर्मा के नेतृत्व में कार्यक्रम का उद्घाटन।
- वन विभाग द्वारा आर्गेनिक हर्बल गुलाल का निर्माण, जिसे स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने के कदम के रूप में प्रस्तुत किया गया।
- पर्यटन विभाग द्वारा फोटो प्रदर्शनी, जिसमें अलवर के "पंच गौरव" पर्यटक स्थल सरिस्का के प्राकृतिक स्थलों और वन्यजीवों का प्रदर्शन किया गया।
- वन विभाग द्वारा पलाश प्रदर्शनी, जिसमें पलाश वृक्ष का महत्व, संरक्षण और पलाश-आधारित उत्पादों (हर्बल गुलाल सहित) की जानकारी दी गई।
- सांस्कृतिक संध्या में भुंगर खान लंगा (बाड़मेर), मोरू सपेरा (जयपुर) तथा अलवर के स्थानीय लोक कलाकारों की प्रस्तुतियाँ, जिनके माध्यम से संस्कृति के जरिए संरक्षण संदेश को मजबूती मिली।

उद्देश्य और लाभ

उद्देश्य

- होली से जुड़े जनसंपर्क कार्यक्रम के माध्यम से प्रदर्शनी और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के जरिए पलाश संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना।
- पंच गौरव कार्यक्रम के अंतर्गत पर्यटन व विरासत के प्रमुख आयामों का प्रचार करना, जिसमें सरिस्का की प्रकृति और वन्यजीव भी शामिल हैं।
- वन विभाग द्वारा तैयार आर्गेनिक हर्बल गुलाल के माध्यम से स्थानीय उत्पादों के महत्व को बढ़ावा देना।

लाभ

- सांस्कृतिक माध्यमों से वृक्ष संरक्षण के प्रति व्यापक जनभागीदारी को प्रोत्साहन।

RASonly

- प्रदर्शनी और जन-सहभागिता के जरिए पर्यावरण, पर्यटन और स्थानीय आजीविका के बीच समन्वित संदेश का प्रसार।
- सरिस्का की प्राकृतिक और वन्यजीव संपदा के प्रति जागरूकता में वृद्धि, जिसे पर्यटन प्रचार के रूप में प्रस्तुत किया गया।

आयोजक और प्रमुख सहभागी

- कार्यक्रम में डीएफओ राजेन्द्र हुड्डा, पर्यटन विभाग की उप निदेशक टीना यादव, जिला अध्यक्ष अशोक गुप्ता, पं. जले सिंह, अजय शर्मा तथा बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

निष्कर्ष

पुरजन विहार में आयोजित पलाश उत्सव ने यह दिखाया कि त्योहार-आधारित सार्वजनिक आयोजन को संरक्षण जागरूकता और सांस्कृतिक गौरव से प्रभावी ढंग से जोड़ा जा सकता है। पलाश प्रदर्शनी, सरिस्का-केंद्रित फोटो प्रदर्शनी, आर्गेनिक हर्बल गुलाल का प्रचार और लोक प्रस्तुतियों के समन्वय से यह व्यावहारिक संदेश मजबूत हुआ कि संरक्षण को जनभागीदारी, स्थानीय उत्पादों और विरासत-आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से आगे बढ़ाया जा सकता है।

बहुविकल्पीय प्रश्न (आरएएस प्रारंभिक परीक्षा)

- पंच गौरव कार्यक्रम के अंतर्गत पलाश उत्सव कहाँ आयोजित किया गया?
  (a) अल्बर्ट हॉल परिसर
  (b) पुरजन विहार (कम्पनी बाग)
  (c) रामनिवास बाग
  (d) जंतर-मंतर परिसर
  उत्तर: (b)
  कारण: पलाश उत्सव पंच गौरव कार्यक्रम के अंतर्गत होली के अवसर पर जयपुर के पुरजन विहार (कम्पनी बाग) में आयोजित किया गया, और यही कार्यक्रम का निर्धारित स्थल था।

- कार्यक्रम में स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने से जुड़ा कौन-सा कदम प्रमुख रूप से सामने आया?
  (a) पर्यटन विभाग द्वारा हस्तशिल्प निर्यात प्रदर्शनी
  (b) वन विभाग द्वारा आर्गेनिक हर्बल गुलाल का निर्माण
  (c) सरिस्का में नए वन्यजीव सफारी मार्ग का उद्घाटन
  (d) अलवर में नई होटल नीति की घोषणा
  उत्तर: (b)
  व्याख्या: कार्यक्रम में बताया गया कि वन विभाग द्वारा आर्गेनिक हर्बल गुलाल तैयार की गई, जिसे स्थानीय उत्पादों को प्रोत्साहन देने के मार्ग के रूप में प्रस्तुत किया गया। अन्य विकल्पों से संबंधित कोई कदम कार्यक्रम में नहीं बताया गया।

- पलाश उत्सव में पर्यटन विभाग की फोटो प्रदर्शनी का विषय क्या था?
  (a) जयपुर के किले और महल के रूप में शहरी विरासत
  (b) अलवर के "पंच गौरव" पर्यटक स्थल सरिस्का के प्राकृतिक स्थल और वन्यजीव
  (c) बाड़मेर और जैसलमेर के मरु पर्यटन परिपथ

RASonly

(d) राजस्थान के आर्द्रभूमि संरक्षण स्थल
उत्तर: (b)
तर्क: पर्यटन विभाग की उप निदेशक ने बताया कि फोटो प्रदर्शनी में सरिस्का के प्राकृतिक स्थलों और वन्यजीवों को प्रदर्शित किया गया, और इसे अलवर के “पंच गौरव” पर्यटक स्थल के रूप में प्रस्तुत किया गया। अन्य विकल्प प्रदर्शनी के विषय से संबंधित नहीं हैं।

Trends in district-wise per capita income in Rajasthan (2020-21 to 2024 -25): leaders, growth rates, and discrepancies between districts.

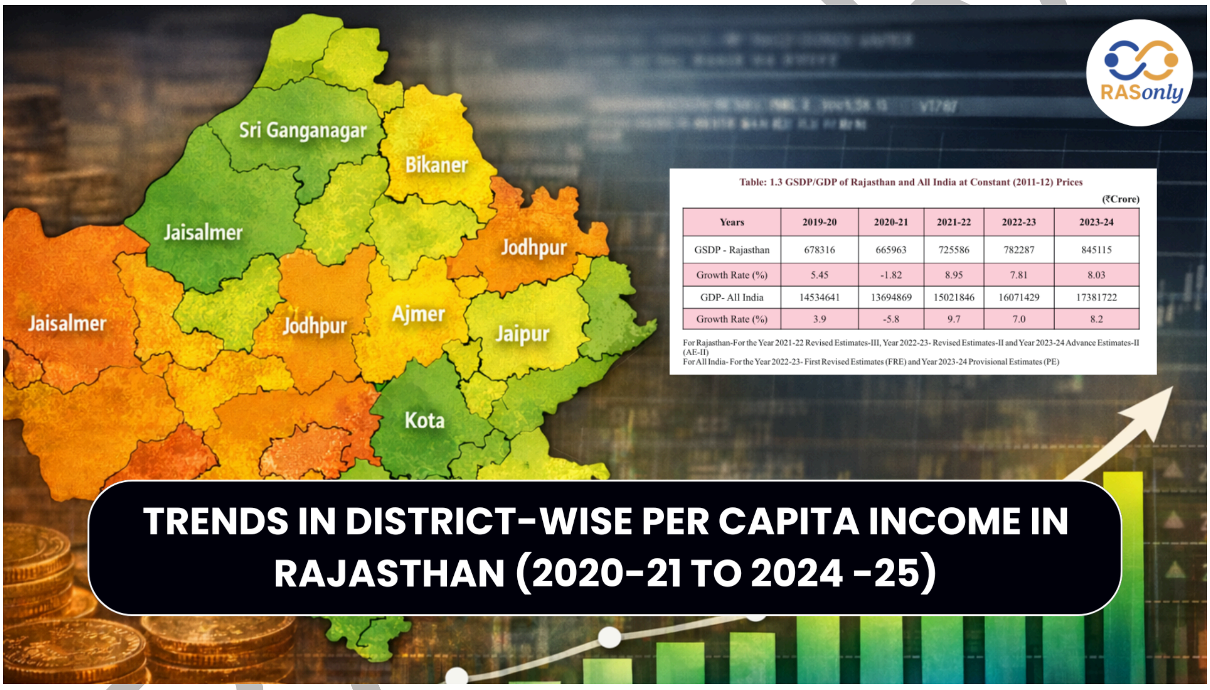

In the per capita income comparison of the districts of Rajasthan, it is seen that Alwar topped with a 2024-25 per capita income of 268,321, and Jaipur followed at the second position with 260,991 with approximately 71 percent improvement in five years. As the analysis shows, the highest five-year growth rate of 76 was recorded by Rajsamand. In 2024-25, the per capita income of the state stood at 202,349 and 8 of the 11 major districts represented in the state were above the state average. The trend is that the better the investment momentum and economic activity, the higher the registered per capita income rates in the districts.

Key Features

- Top per capita income (2024-25): Alwar 2,68,321; Jaipur 2,60,991.
- Highest growth (2020-21to2024-25): Rajsamand with 76% and then Bikaner with 75.7%.

- Ranking changes observed: Jaipur had been dropped to the second rank, Kota had been placed in sixth rank at the end of 2021-22, and Ajmer had been ranked as fifth to fourth rank.
- smallest per capita major district income in the list (2024-25): Banswara at 120686.

Per Capita Income across districts (in 1000s of rupees) in this state (per 100 individuals).

District	2020–21 (₹)	2024–25 (₹)	Growth (%)
Alwar	1,73,510	2,68,321	54.6
Jaipur	1,52,032	2,60,991	71.7
Jaisalmer	1,36,242	2,34,051	71.8
Rajsamand	1,28,034	2,25,260	76.0
Bhilwara	1,63,404	2,22,367	36.1
Ajmer	1,34,185	2,21,674	65.2
Bikaner	1,22,580	2,15,368	75.7
Kota	1,22,350	2,02,501	65.5
Jodhpur	1,15,936	1,85,603	60.1
Banswara	74,793	1,20,686	61.4

The Drivers that were mentioned in the Analysis.

- The bigger the investment in industry and infrastructure made by the district, the more it is likely to experience a rise in per capita income.
- The economic activity that is associated with tourism contributes to the per capita income of Jaipur.
- Bhiwadi and Neemrana industrial clusters in Alwar are linked to better employment and a better per capita income.
- In Bikaner, the units of solar energy were observed to be increasing.

Conclusion

The per capita income of Rajasthan as illustrated in the district-wise picture indicates leadership as well as divergence. Alwar dominates in terms of 2024-25 income levels, Jaipur has advanced to second, and Rajsamand is on the growth momentum. The figures highlight the contribution of investment, industrial activity, and sectoral

RASonly

strengths to the prosperity of regions with the state average standing at 2,02,349 and most of the major districts recording the same or higher values.

MCQ(RAS prelims)

1. What was the maximum per capita income of Rajasthan in 2024 25, in the list of the major districts listed?

(a) Jaipur

(b) Jaisalmer

(c) Alwar

(d) Rajsamand

Answer: (c)

Explanation: Alwar is at the top of the district comparison of 20242-5 with a per capita income of 268,321. This is more than Jaipur 260991 and the other recorded districts thus Alwar tops the table on per capita income.

2. What district had the largest percentage growth in five-year per capita income (2020-21 to 2024-25) in the analysis?

(a) Bikaner

(b) Rajsamand

(c) Ajmer

(d) Kota

Answer: (b)

Explanation : The five-year growth rates indicate that Rajsamand has the highest rate at 76, compared to the rest of the districts discussed. Bikaner is a close with 75.7 percent and Jaipur/Jaisalmer is more or less 71.7 and 71.8 percent, however, the highest growth percentage is still held by Rajsamand.

3. Which of the statements is right according to the analysis of 2024-25?

(a) The per capita income in Rajasthan was 2,02,349 with 8 out of the 11 large districts having incomes that were above or equal to the state average.

(b) Rajasthan had a per capita income of 2,68,321 and all the major districts exceeded the average of the state.

(c) The per capita income of Rajasthan was 120, 686, and two principal districts only were above the state average.

RASonly

(d) Rajasthan had a per capita income of 260, 991 and none of the large districts were above the state average.

Answer: (a)

Explanation: According to the analysis, the per capita income of Rajasthan stood at ₹2,02,349 in 202425 and that out of 11 large districts, eight of them had a per capita income of the same amount or more than the state average. The other alternatives falsely substitute the state mean with district means or turn the other way round in which the distribution is district.

राजस्थान में जिला-वार प्रति व्यक्ति आय की प्रवृत्तियाँ (2020–21 से 2024–25)—अग्रणी जिले, वृद्धि दर, और जिलों के बीच असमानताएँ

राजस्थान के जिलों की प्रति व्यक्ति आय की तुलना से स्पष्ट है कि 2024–25 में अलवर ₹2,68,321 के साथ शीर्ष पर रहा और जयपुर ₹2,60,991 के साथ दूसरे स्थान पर पहुँचा, जिसमें पाँच वर्षों में लगभग 71% की वृद्धि दर्ज हुई। विश्लेषण के अनुसार, पाँच वर्षीय वृद्धि दर में राजसमंद ने 76% के साथ सर्वाधिक बढ़त दर्ज की। 2024–25 में राज्य की प्रति व्यक्ति आय ₹2,02,349 रही और तालिका में शामिल 11 प्रमुख जिलों में से 8 जिले राज्य औसत के बराबर या उससे ऊपर रहे। समग्र प्रवृत्ति यह दिखाती है कि जहाँ निवेश गति और आर्थिक गतिविधि अधिक होती है, वहाँ प्रति व्यक्ति आय भी अपेक्षाकृत अधिक दर्ज होती है।

प्रमुख विशेषताएँ

- 2024–25 में सर्वाधिक प्रति व्यक्ति आय: अलवर ₹2,68,321; जयपुर ₹2,60,991।
- 2020–21 से 2024–25 के बीच सर्वाधिक वृद्धि: राजसमंद 76%; इसके बाद बीकानेर 75.7%।
- रैंकिंग में बदलाव: जयपुर तीसरे से दूसरे स्थान पर आया; कोटा 2021–22 में शीर्ष-पाँच में था, पर अब छठे स्थान पर है; अजमेर पाँचवें से चौथे स्थान पर पहुँचा।
- सूची में न्यूनतम प्रति व्यक्ति आय (2024–25): बाँसवाड़ा ₹1,20,686।

राज्य के जिलों में प्रति व्यक्ति आय (रुपयों में)

जिला	2020–21 (₹)	2024–25 (₹)	वृद्धि (%)
अलवर	1,73,510	2,68,321	54.6
जयपुर	1,52,032	2,60,991	71.7
जैसलमेर	1,36,242	2,34,051	71.8

RASonly

जिला	2020–21 (₹)	2024–25 (₹)	वृद्धि (%)
राजसमंद	1,28,034	2,25,260	76.0
भीलवाड़ा	1,63,404	2,22,367	36.1
अजमेर	1,34,185	2,21,674	65.2
बीकानेर	1,22,580	2,15,368	75.7
कोटा	1,22,350	2,02,501	65.5
जोधपुर	1,15,936	1,85,603	60.1
बाँसवाड़ा	74,793	1,20,686	61.4

विश्लेषण में बताए गए प्रमुख कारक

- जिन जिलों में उद्योग और आधारभूत संरचना में निवेश अधिक होता है, वहाँ प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि की संभावना अधिक रहती है।
- पर्यटन से जुड़ी आर्थिक गतिविधि जयपुर की प्रति व्यक्ति आय में योगदान करती है।
- अलवर में भिवाड़ी और नीमराना औद्योगिक क्लस्टर बेहतर रोजगार अवसरों और उच्च प्रति व्यक्ति आय से जुड़े बताए गए हैं।
- बीकानेर में सौर ऊर्जा इकाइयों के बढ़ने की प्रवृति देखी गई।

निष्कर्ष

राजस्थान की जिला-वार प्रति व्यक्ति आय के आँकड़े नेतृत्व और असमानता—दोनों को दर्शाते हैं। 2024–25 में आय स्तर के आधार पर अलवर अग्रणी है, जयपुर दूसरे स्थान पर आया है, और वृद्धि दर में राजसमंद सबसे आगे है। राज्य औसत ₹2,02,349 रहने के साथ अधिकांश प्रमुख जिले इसके बराबर या अधिक स्तर पर हैं। यह तस्वीर निवेश, औद्योगिक गतिविधि और क्षेत्रीय ताकतों की भूमिका को रेखांकित करती है।

बहुविकल्पीय प्रश्न (आरएएस प्रारंभिक परीक्षा)

- 2024–25 में सूचीबद्ध प्रमुख जिलों में अधिकतम प्रति व्यक्ति आय किस जिले की रही?
  (a) जयपुर
  (b) जैसलमेर
  (c) अलवर
  (d) राजसमंद
  उत्तर: (c)
  व्याख्या: 2024–25 के जिला तुलनात्मक आँकड़ों में अलवर की प्रति व्यक्ति आय

RASonly

₹2,68,321 रही, जो जयपुर ₹2,60,991 और अन्य जिलों से अधिक है। इसलिए सूची में प्रति व्यक्ति आय के आधार पर अलवर शीर्ष पर है।

- विश्लेषण के अनुसार 2020–21 से 2024–25 के बीच पाँच वर्षीय प्रति व्यक्ति आय वृद्धि प्रतिशत सबसे अधिक किस जिले का रहा?
  (a) बीकानेर
  (b) राजसमंद
  (c) अजमेर
  (d) कोटा
  उत्तर: (b)
  तर्क: पाँच वर्षीय वृद्धि दरों में राजसमंद 76% के साथ सबसे आगे है। बीकानेर 75.7% के साथ निकट है और जयपुर/जैसलमेर लगभग 71.7%–71.8% पर हैं, परंतु सर्वाधिक वृद्धि प्रतिशत राजसमंद का ही है।

- 2024–25 के विश्लेषण के अनुसार कौन-सा कथन सही है?
  (a) राजस्थान की प्रति व्यक्ति आय ₹2,02,349 थी और 11 प्रमुख जिलों में से 8 जिलों की आय राज्य औसत के बराबर या उससे अधिक थी।
  (b) राजस्थान की प्रति व्यक्ति आय ₹2,68,321 थी और सभी प्रमुख जिले राज्य औसत से अधिक थे।
  (c) राजस्थान की प्रति व्यक्ति आय ₹1,20,686 थी और केवल 2 प्रमुख जिले राज्य औसत से अधिक थे।
  (d) राजस्थान की प्रति व्यक्ति आय ₹2,60,991 थी और कोई भी प्रमुख जिला राज्य औसत के बराबर नहीं था।
  उत्तर: (a)
  व्याख्या: विश्लेषण के अनुसार 2024–25 में राजस्थान की प्रति व्यक्ति आय ₹2,02,349 रही और 11 प्रमुख जिलों में से 8 जिलों की प्रति व्यक्ति आय राज्य औसत के बराबर या उससे अधिक थी। अन्य विकल्प राज्य औसत को जिलों के आँकड़ों से बदलते हैं या जिलों के वितरण को गलत रूप में प्रस्तुत करते हैं।

RASonly